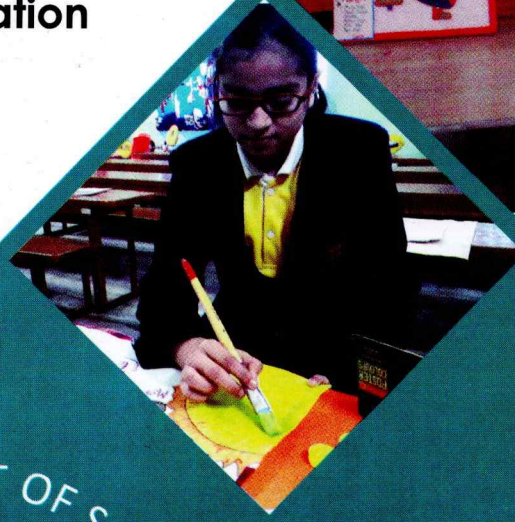
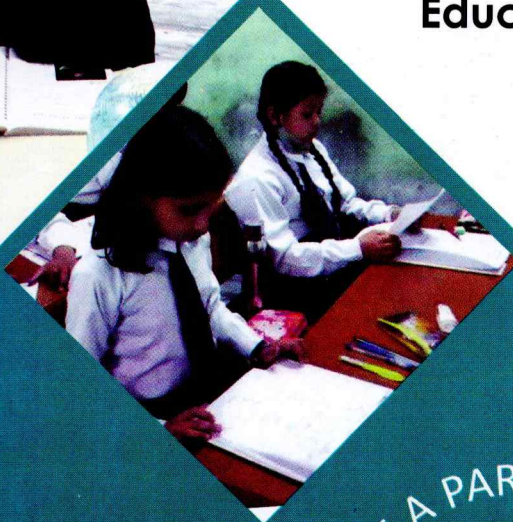


S.R.V.S.

Group of Educational Institutions

Gurukul of Global Education



Prospectus

Setting New Standards Since 2013...

Our

OBJECTIVE

We aim at high standard of Result along with harmonious all around development to achieve success. There is special emphasis on Specialization & nurturing of Talent in academic, sports & Skill Development

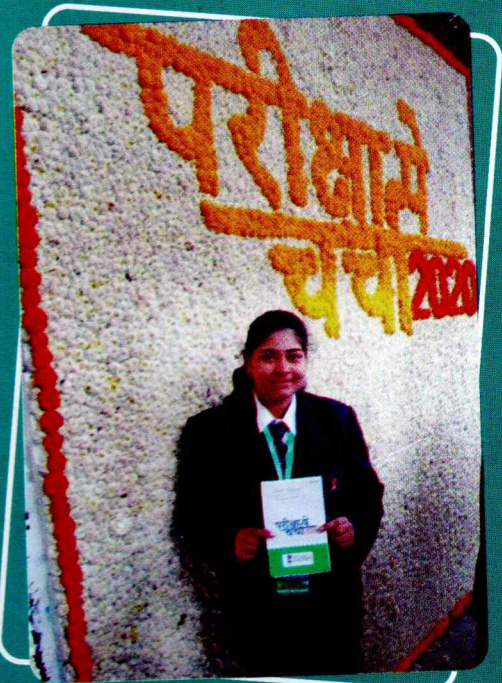
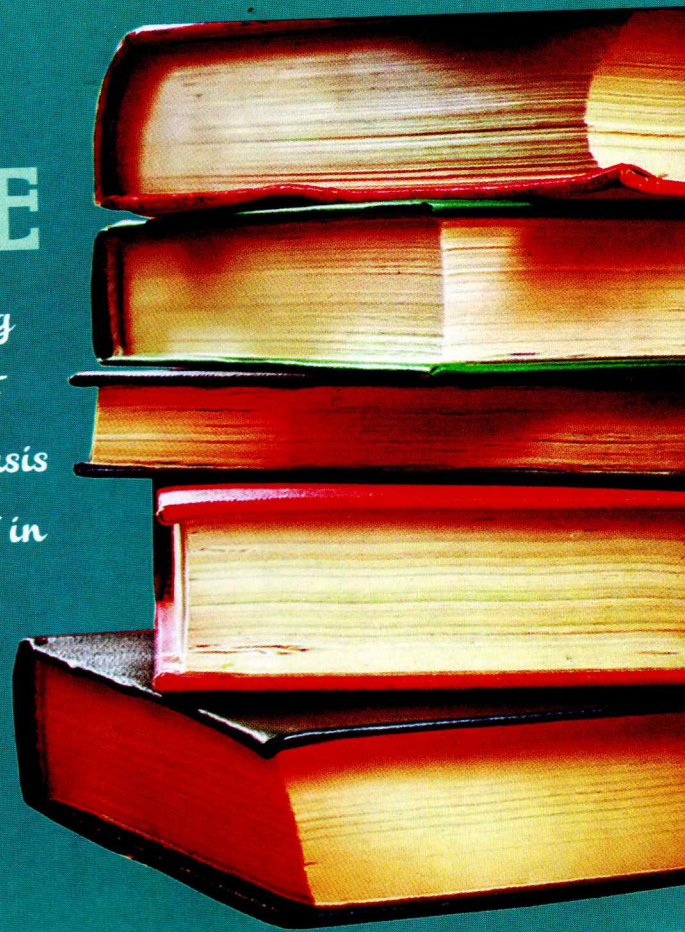
Our

MISSION

"To prepare children to become self-reliant productive individuals with clarity precision & Independence. To inspire children to embrace challenge & find joy & self-worth through achievement."

To help young minds grow in a child friendly environment for the holistic development of a child.

We focus on the Satisfaction of the child's inquisitive mind through concept clarity. By infusing love and care into every aspect of learning, we at SRVS, convert everyday into wonderful learning experiences that leads to the all-round development of the child. Moreover, here the child gets immense happiness, complete freedom and the required guidance to grow and blossom in the happy world of SRVS!!

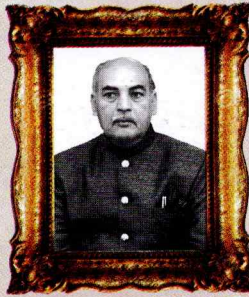




स्व० रामविलास सिंह जी
(की स्मृति में)



स्व० चब्बना सिंह जी
(प्रेरणास्रोत)



श्री वकील सिंह जी
(संस्थापक)



स्व. रामबहादुर सिंह जी
(सह-संस्थापक)



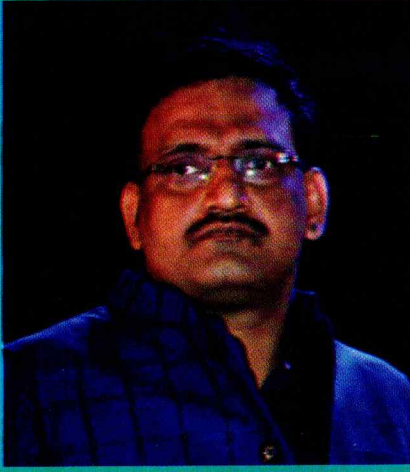
स्व. सुनील सिंह जी
(पूर्व सहायक प्रबन्धक निदेशक)



एक परिचय

यह शिक्षण संस्था हमारे पूर्वज स्व. रामविलास सिंह जी (दादा/परदादा) ग्राम-तियरी, पोस्ट-बेन तियरी, तहसील-चकिया, जिला-चंदौली की स्मृति में स्व. रामविलास सिंह शिक्षण संस्था के नाम से ट्रस्ट का निर्माण करके श्रद्धांजलि स्वरूप उनकी इच्छाओं को पूर्ण करने हेतु सिकन्दरपुर (चकिया), पचफेड़वा (मुगलसराय) एवं अहरौरा शिक्षण संस्था के माध्यम से अपने क्षेत्र, गाँव व जिले के बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने हेतु विद्यालय का निर्माण किया गया है ताकि हमारे क्षेत्र के युवाओं का सार्वभौमिक और सर्वांगीण विकास हो जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल बन सके, हमारा यह प्रयास है कि हम उनके दिखाये गए मार्ग पर चलते हुए देश व समाज की नई पीढ़ी को शिक्षित करें और एक स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकें।





From the desk of Managing Director

एक शिक्षित व्यक्ति ही समाज को नयी दिशा दे सकता है, व्यक्ति को संस्कार-युक्त चरित्रवान और नैतिक गुणों से युक्त बनाने में विद्यालय एवं महाविद्यालयों की अहम भूमिका होती है, शिक्षा की इन्हीं उपयोगिताओं के कारण अपने जनपद के प्रत्येक आयु वर्ग (नौनिहालों-किशोरों-युवा) चाहे वह बालक हो अथवा बालिका को शिक्षित करने के उद्देश्य से एवं संस्कार युक्त शिक्षा के साथ ही आधुनिक शिक्षा से अपने जनपद के भावी पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के लिए ही इस **S.R.V.S.** संस्था की स्थापना की गई है। हमारा प्रयास है कि हमारे इस कृषि प्रधान जनपद के बालक/बालिकाओं को कम से कम शुल्क में अच्छी से अच्छी और गुणवत्तापरक शिक्षा उनको अपने ही जनपद में प्राप्त हो सके और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही प्रथम शाखा (सिकन्दरपुर) चकिया, द्वितीय शाखा (पचफेड़वा, मुगलसराय) एवं तृतीय शाखा (अहरौरा) का भी सफल संचालन किया जा रहा है, जहाँ **S.R.V.S.** विद्यालय के साथ ही जुड़ा हुआ महिला महाविद्यालय भी बालिका/नारी शिक्षा की अलख जगा रहा है।

मुझे यह कहने में लेशमात्र भी संकोच नहीं है कि यह सब आप जनपदवासियों के सहयोग और सत्प्रयास से सम्भव हो पा रहा है, इन्हीं सब आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए **S.R.V.S.** की तीनों शाखाएं अपना कदम आगे बढ़ा रही है, यदि कभी हमारे कदम डगमगाए अथवा कमजोर पड़े तो आप सभी जनपदवासियों से हम यह आशा ही नहीं अपितु पूरी उम्मीद रखते हैं की आप इस संस्था के सार्वभौमिक एवं सर्वकालिक विकास के सन्दर्भ में अपने बहुमूल्य सुझाव और सहयोग देते रहेंगे, जिससे कि जनपद एवं क्षेत्र के छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

आपके सुझाव एवं सहयोग का सदा आकांक्षी...

छत्रबली सिंह

प्रबन्ध निदेशक

मो.: 8765128700



ए.एम.डी. की कलम से....

शिक्षा का उद्देश्य संक्षेप में शिक्षार्थी को पूर्ण मानव बनाना है, पूर्ण मानव से अभिप्राय है कि ऐसे नैतिक, सुसंस्कृत, अनुशासित और सभ्य तथा सुशिक्षित मनुष्य का निर्माण जो कि अपना अमूल्य योगदान अपने राष्ट्र एवं समाज को दे सकें। हमारा प्रयास है कि अपने इस महाविद्यालय द्वारा अपने क्षेत्र के युवाओं को कौशलयुक्त एवं कुशल नागरिक बनाने के लिए हम सभी ट्रस्टी एवं सभी अध्यापकगण अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं। भविष्य की आवश्यकताओं एवं चुनौतियों को देखते हुये तथा अपने परदादा की स्मृति/श्रद्धांजलि स्वरूप में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी, हमारा यह सदैव प्रयास रहता है कि अपने इस ग्रामीण एवं कृषि बाहुल्य क्षेत्र के बच्चों को कम से कम शुल्क में अच्छी से अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सके, जिससे की इस ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता को और उन्नत बनाने में अपेक्षित सहयोग शिक्षा के माध्यम से प्राप्त हो सके।

रीता सिंह

सहायक प्रबन्ध निदेशक
(डिग्री कालेज)



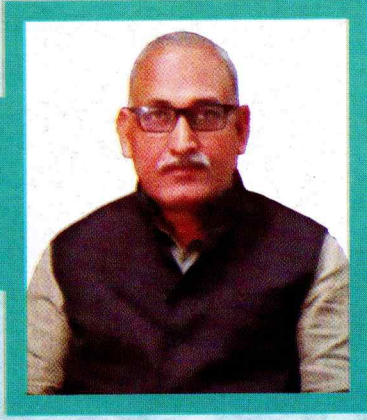
From the Desk of Director (Mughalsarai)

I believe that complacency is one of the biggest human failings. It generally has a tendency to creep in silently and like cancer, it is often discovered to late. Once complacency has you in its numbing grips, it taints your vision with ersatz rosiness, forcing you to view life with a false sense of well-being. That is why the promoter of your ward's school has not allowed this weakness to afflict its vision of making this school one of the best in the district. The art of teaching-learning is a dynamic one and introspection drives it forward. At our school the facilitators of learning are constantly engaged in reviewing their student and encouraging them to improve their outcome in all spheres and our goal is to prepare your child to become an informed global citizen, sensitive to the needs and challenges of the community and the country. With this in view, we teach our students not just to do well at studies and co-curricular activities, but also to be better human beings who care for the environment, culture and ethics, At any point of time if you have any suggestions or criticism about us, you are more than welcome.

Smt. Sarita Singh

Director

Mob.: 8765128709



From the Desk of A.M.D.

मानव जीवन को विकसित करने के लिए शिक्षा एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा यह देश अपने हजारों साल की संस्कृति को संजो कर एवं भविष्य में दुनिया के विकसित देशों के व्यक्तियों के साथ कदम मिलाकर चल सकेगा।

21वीं शताब्दी में मानव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा, ऐसी क्रांति लायेंगे जो कल्पना से परे होगा और मानव का दायित्व इस संसार तक ही सीमित न रह कर बाह्य जगत से जुड़ेगा।

हमारा निश्चय है कि हम अपने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र प्रदान करें, जो उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम एवं स्वावलम्बी भारतीय नागरिक के रूप में सुसज्जित करें। यह संस्थान ऐसे हों जो उत्तम शैक्षणिक आधारभूत संरचना और सर्वश्रेष्ठ संकाय के द्वारा छात्रों के ज्ञानोपार्जन के साथ अनुशासन व चरित्र निर्माण में सहयोग प्रदान करें एवं अध्यापकगण, छात्र एवं छात्रायें इस शताब्दी के महायज्ञ में कदम से कदम मिलाकर बढ़ें और अपने देश को अपने समय में ही विकसित देश के रूप में देखें।

श्याम जी सिंह
सहायक प्रबन्ध निदेशक
मो.: 8765128788



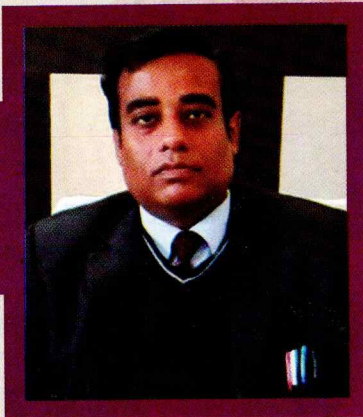
From the Desk of Secretary

I Learnt a great deal about teaching and learning by talking and listening to my children. The most valuable thing you can give your child is your time and attention. Communication is a two way process and its amazing that you can learn so much about your child from these conversations. I guess I had a frustration like many parents, in that I could not fully understand How my child truly felt about different situation? or feelings? But I now understand that for a long time children do not have enough words at their commands to express feeling adequately, even if they could express as you would.

"Education is our passport to the future, for tomorrow belongs to the people who prepare for it today."

Mr. Anand Pratap Singh (Secretary)

CBSC 10+2 School Sikandarpur, Chakia | Mob.: 8765128761



From the Desk of **THE PRINCIPAL**

S.R.V.S. Sikandarpur, Chakia is an amalgamation of competent teachers, state-of-the-art infrastructure and an experienced and efficient and administration. The school came into existence with the vision of creating a safe and social opportunities. Learning should understanding, reasoning and thinking skills. It helps to inspire a life-long appreciation for learning and helps foster a sense of moral and ethical behavior. While studying at the school, the students will be groomed to become confident, and enlightened young citizen, ready to step into global society with dignity, honour and integrity. We believe in giving our students strong values along with a set of wings which may carry them far and wide. In other words, our students are equipped to face the challenges of the rapidly changing world. We focus on developing both, the mental and the physical abilities of a student. Besides the usual procedural teaching, we persistently upgrade and update our teaching tools and techniques. From interactive methods to a healthy teacher student relationship, we work around making studies as effortless as possible.

I wish success to the students and teachers of S.R.V.S. Sikandarpur, Chakia.

Prabhat Kumar

Principal

C.B.S.E. 10+2 School Sikandarpur, Chakia



From the Desk of **ACADEMIC HEAD**

Dear All,

In my opinion Education is the Vehicle of knowledge, Self-preservation and success. Our focus in to develop our students as global citizens, with tolerance, respect and appreciation of diverse cultures and religions for a life time learning experiences. At S.R.V.S. we give special emphasize on spoken English in order to make our children stage smart as well as confident enough to express their beautiful thoughts to the world.

In each one of us there is a marvelous creative potential that need to be discovered and used for a happier and more productive life. As students your success in life will depend on you outlook to life. If you have the right attitude, no matter how difficult or tedious the task, however big the hurdles on our way may be, you shall surpass them. Thomas Alva Edison, the inventor of the electric bulb, failed nine hundred times in his experiments before he succeeded in his invention of the electric bulb. A committed and and supportive management, dedicated teachers, caring and co-operative parents blend harmoniously to create a child-centric school.

With Sincere and warm Regards

Mrs. Sapna Maurya

Academic Head (Jr. Section)

Admission

Admission Procedure

All children registered are expected to appear for a written entrance examination comprising of four papers namely, English, Hindi, Mathematics and General Awareness, (except class Nursery) Where separate interviews with the child and the parents are mandatory). Failure to attend the entrance examination/interview without proper reason will cause the registration to lapse and the registration fees paid will be forfeited.

Process for Admission in Kindergarten

Play School admission is granted on the basis of the following criteria :

- I. First come first serve.
- II. The child should be of 3+ Years.
- III. Three passport size photographs of the child and one photograph of both parents i.e. Mother & Father.
- V. Birth certificate of the Child.

Process for Admission in Primary wing to Elementary Wing

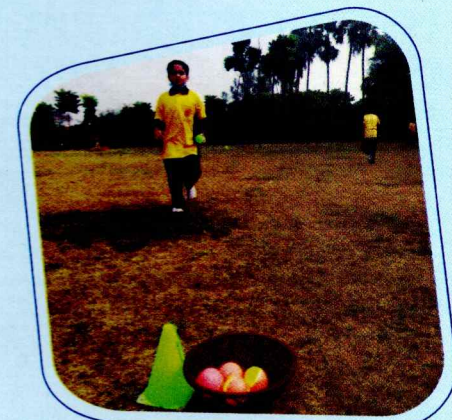
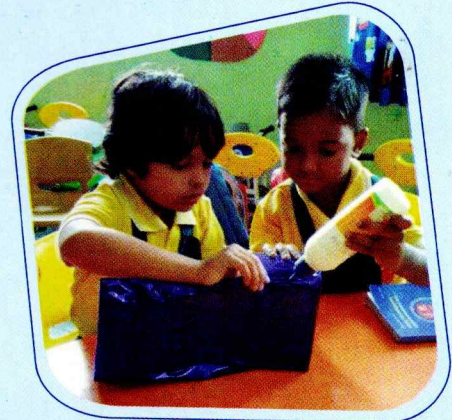
Admission for Primary wing to Elementary wing are made on the basis of the performance in the entrance test and later followed by an interview. Admissions are finalized on the cumulative marks of the written test and interview. At the time of the admission students must submit the documents given below :

- I. Original copy of T.C. of the previous school and the Birth Certificate with the name filled in it.
- II. Three passport size photograph of the child and one photograph of both the parents i.e. Mother & Father.

Process for Admission in classes 9th & 11th

Admission for classes 9th and 11th are made on the basis of the performance in the entrance test and later followed by an interview. Admissions are finalized on the cumulative marks of the written test and interview. At the time of the final enrolment students must submit the documents given below

- I. Photo Copy of the previous class mark sheet.
- ii. Original copy of T.C. (Transfer certificate)
- iii. Original copy of Character certificate of the student form the previous school.
- iv. PhotoCopy of the Aadhar Card.



School Transport

The excellent teacher escorted transport facility is available on scheduled routes for Day Scholars. Approximate timing for each bus stop on various routes of our buses is given in the route chart. The routes and stops are ascertained on the basis of convenience to parents and their wards and they are subject to change from time to time on the basis of change in fuel prices.



Withdrawal Procedure

1. If any parents want to take T.C. after completion of session they have to submit application before 31st march otherwise they have to pay one month fees for the next class.
2. If the child is withdrawn in mid-session or expelled from the school, the fees and charges paid will not be refunded in part or in full.
3. Transfer certificate will not be issued until or unless all the dues are cleared.

Fees & Payment

1. At the beginning of the session, each student will be issued a fee card. Every month this fee card is to be used by parents, while depositing fees. Parents are requested to go through the instructions printed on the fee card carefully.
2. All fees are payable in advance, on a monthly basis, as per the date mentioned on the fee card.
3. Fees can be deposited, in advance, for any number of quarters of the entire academic year, if so desired.
4. In case of non-payment of fees for three consecutive months the name of the defaulting student's name will be stuck off and re-admission charges and penalty applicable will be charged for which the prior permission from the head of the School has to be taken.
5. Students will neither shown/given their report card / answer sheets nor be allowed to appear in any assessment / examination until all the dues to the school are cleared.
6. Fees once deposited will not be refunded.
7. Parents must preserve their copies of the fee receipt as proof of payment, since these may have to be produced in case of any dispute.
8. A school Leaving certificate / Transfer Certificate will not be issued until all the dues are cleared.
9. Those who wish to leave at mid session, have to pay the fees for the entire session.



We at S.R.V.S. Aim to Help each Child



- Learn effectively and develop their full potential.
- Acquire the attitudes, skills and knowledge that will form the basis of their future living and learning.
- Provide all children with secure, caring, friendly and well organized environment where discipline is consistent.
- Ensure that all children receive equal regard access to the curriculum.
- Incorporate technology, theory, of Multiple intelligence and collaborative learning in all areas of teaching.
- Develop in children a degree of Independence and self motivation.
- Encourage behavior that is tolerant, sensitive to others and reflects good manners and moral awareness.

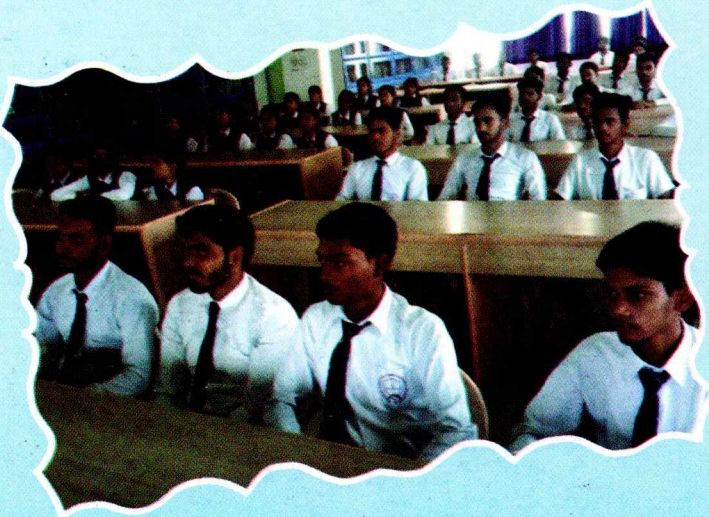


EVALUATION OF ACADEMIC WORK

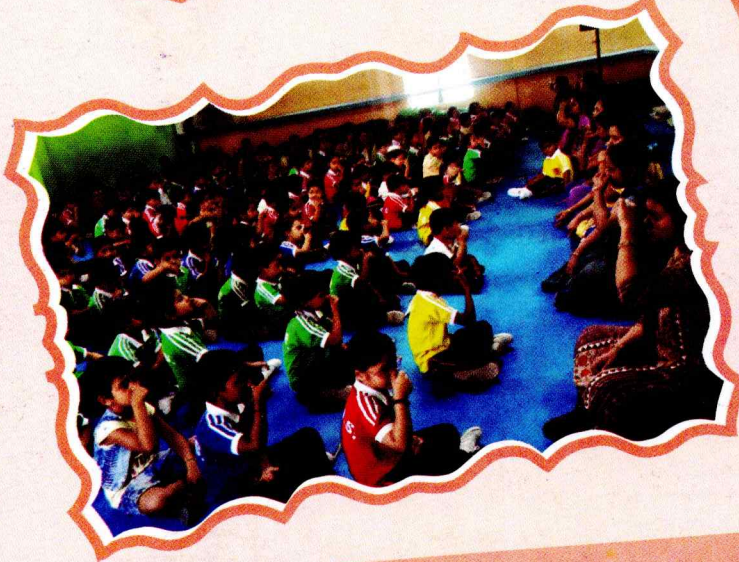
- The academic year is divided into two terms i.e. term-I and term-II.
- Lesson wise test are conducted at the end of each chapter to check the understanding of the topic by the children.
- Before the Half yearly and annual examination the periodic test (Periodic test-I and Periodic test-II) are conducted to evaluate the overall preparation of the child before the main examination.

These evaluation process helps teachers to find the areas of improvement and also clearing th doubts of their class in various subjects time to time.

A Small Glimpse of our School...



Kids @ S.R.V.S.



Sports & Summer Camp





S.R.V.S.

Group of Educational Institutions

Gurukul of Global Education

Main Branch :

Sikandarpur, Chakia, Chandauli

Affiliated To CBSE, New Delhi (Bharat), Nursery to Class XII

E-mail : srvs1245@gmail.com | Web : www.srvscbscsikandarpur.in | M.: 8765128761-62-70

Mahavidyalaya Affiliated to M.G.K.V.P. B.A. & B.Sc. (Bio & Maths), B.Com, M.A., Law, Code - 237, B.Ed & B.T.C. (D.El.Ed)

Email : srvs1245@gmail.com | Web : www.srvs1245.org | M.: 8765128693-94-95

Branch :

Pachpherwa, Mughalsarai, Chandauli

Affiliated to CBSE, New Delhi (Bharat), Play Group to Class XII | M.: 8765128710-11-13

Mahavidyalaya Affiliated to M.G.K.V.P. B.A., B.Com & B.Sc (Bio & Maths) M.Com, M.A. Code-263

E-mail : srvsmmv@gmail.com | Web : www.srvs1245.org | M.: 876128702-03

Branch :

S.R.V.S. Ahraura, Mirzapur

Play Group to Class IX (To be Affiliated to CBSE, New Delhi, Bharat) | M.: 7318016501-02-03

S.R.V.S. M.M.V., Ahraura, Mirzapur (To be affiliated to M.G.K.V.P.)

B.A., B.Sc. (Bio & Maths), B.Com | M.: 7318016487-88-89